2009

~~माध्यमिक शिक्षा~~ मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल    मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

~~कार्यालयीन उपयोग के लिए~~

परीक्षा के नाम की सील: हाई स्कूल परीक्षा

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 300    परीक्षा का विषय सा. विज्ञान

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी    परीक्षा की दिनांक 07-03-09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C,या D) अनिवार्यतः भरें

| कोड | सेट |
|---|---|
| T-1035 | C |

केन्द्र क्रमांक की सील

केन्द्र क्र.- 22002

उत्त. पुस्तिका का सरल क्रमांक K 3502206

4. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 9 | 2 | 2 | 1 | 7 | 8 | 0 | 4 |

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :–

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| एक | नौ | दो | दो | एक | सात | आठ | शून्य | चार |

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में दो    अंकों में 2

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 8A में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) SAgrawal

नाम Geeta Agrawal    पद Astt teacher

पता / संस्था G.G.H.S.S. Nowgong

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

B S E M P

# परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्ति... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन कि... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक)    हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)    हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 45007    दिनांक........................    दिनांक........................

## परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक / विषय / माध्यम / दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 8 | 2 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 | 8 |
| एक | आठ | दो | चार | तीन | नौ | पाँच | छः | आठ |

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा / रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

## परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

## मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

(3) 0 + 9 = 9

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

'खण्ड अ'

प्र01:- उत्तर

(अ)

(अ) बंकिम चन्द्र चटर्जी — (2) आनन्द मठ

(ब) असम – जोरहट — (4) एक सींग वाला गेंडा।

(स) संघ सूची — (5) केन्द्र सरकार

(द) लोकसभा का सदस्य — (1) भारत का नागरिक

(इ) परिवहन एवं संचार — (3) तृतीयक क्षेत्र

(5)

B S E M P

प्र02:- उत्तर

(अ) — 2.38 टन

(ब) — छतरपुर

(स) — ~~मुख्य~~ राज्यपाल

(4)

(द) — विनियोग

(इ) — मिश्रित अर्थव्यवस्था प्रणाली

9

पृष्ठ के अंकों का योग

+ =

प्र03:- उत्तर

(अ) - (ii) मछली उत्पादन से

(ब) - (i) कच्छ

(स) - (i) झाबुआ जिले

(द) - (ii) महात्मा गाँधी ने

(इ) - (1) प्राथमिक क्षेत्र में

प्र04 का उत्तर

(अ) - राजस्थान (भरतपुर)

(ब) - बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ

(स) - लार्ड माउण्टबेटन

(द) - 230

(इ) - 3

प्र05 :- (अ) - असत्य

(ब) - सत्य

P S E M P

(स) – असत्य

(द) – सत्य

(इ) – सत्य

खण्ड – ब

प्र०6 का उत्तर :-

कच्चे माल के आधार पर उद्योग :- कच्चे माल के आधार पर उद्योग तीन प्रकार के होते हैं।

(1) कृषि आधारित उद्योग :- जिन्हे कच्चा माल कृषि उपजो से प्राप्त होता है उसे कृषि आधारित उद्योग कहते है। जैसे – सूती वस्त्र उद्योग

(2) खनिज आधारित उद्योग :- जिन्हे कच्चा माल खनिजो से प्राप्त हो उसे खनिज आधारित उद्योग कहते है। जैसे – लोहा इस्पात उद्योग

(3) वन आधारित उद्योग :- जिन्हे कच्चा माल वनो से प्राप्त होता है। जिन्हे वन

BSEMP

उद्योग कहते है। जैसे - कागज उद्योग।

प्र07 का उत्तर

दूरदर्शन संचार का उपयुक्त माध्यम :- दूरदर्शन संचार का सबसे उपयुक्त माध्यम है।

(1) दूरदर्शन मे ध्वनि के साथ प्रसारण भी होता है। यह अत्यधिक लोकप्रिय और प्रभावशाली है।

(2) दूरदर्शन से देश में कही भी होने वाली घटनाओ का सजीव चित्रण प्रस्तुत होता है।

(3) दूरदर्शन से समाचारो के अतिरिक्त मौसम, कृषि, विज्ञान, खेल कूद, मनोरंजन आदि के कार्यक्रम भी प्रसारित होते है।

(4) दूरदर्शन ज्ञानवर्द्धन के लिये उपयुक्त माध्यम है। तथा देश के विभिन्न भागो मे इसका शिक्षा के रूप मे उपयोग किया जाता है।

(5) दूरदर्शन से जनता को राष्ट्रीय एवं

BSEMP

अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं के समझने में सरलता मिलती है।

इस प्रकार दूरदर्शन संचार का सबसे उपयुक्त माध्यम है।

प्र08 का उत्तर

आपदा प्रबन्धन :- आपदा प्रबन्धन क्रियाकलापों का एक ऐसा संगठन है जिसमें आपदा के पहले व बाद में एक - दूसरे के समानान्तर होकर चलती रहती है। इसमें ~~आपद~~ आपदा प्रबंधन में आपदा के पहले से तैयारी, राहत एवं जवाबी कार्यवाही तथा दुष्प्रभाव व रोकथाम के लिये योजना की तरह आपदा का प्रबन्धन किया जाता है। आपदा प्रबन्धन का तात्पर्य इस प्रकार है कि यह आपदा के पहले व उसके बाद न होकर एक - दूसरे के समानान्तर चलती रहती है।

आपदा प्रबन्धन के तत्व :- आपदा प्रबन्धन के निम्न तत्व है।

(1) आपदा से पहले तैयारी :- आपदा ~~प्रबन्धन~~ से निपटने के लिये पहले से तैयार

B S E M P

रहना चाहिए।

(4) आपदा की रोकथाम :- आपदा

(2) राहत एवं जवाबी कार्यवाही :- आपदा के पहले, आपदा के दौरान, आपदा के तुरन्त किये गये ऐसे कार्य जिससे यह सुनिश्चित हो सके की आपदा के प्रभाव कम से कम हो।

(3) सामान्य जीवन स्तर पर लौटना :- इसमे आपदा के प्रभाव के बाद जीवन स्तर पर वापस लौटने एवं आध्यात्मिक एवं भावनात्मक कल्याण की प्राप्ति हो।

(5) दुष्प्रभाव ~~एवं रोकथाम करने~~ की ~~को~~ को कम करने की योजना

प्रश्न - 9 का उत्तर

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के असफलता के कारण :- प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के असफलता के प्रमुख कारण निम्नलिखित है।

(1) संगठन एवं एकता का अभाव :- इस स्वतंत्रता की असफलता का प्रमुख

BSEMP

(9) + = [ कुल अंक

संगठन एवं एकता का अभाव प्रमुख रूप से उत्तरदायी रहा। इस संग्राम की न तो कोई सुनिश्चित योजना ही बनायी गयी थी। न ही कोई ठोस कार्यक्रम जिसके कारण यह स्वतंत्रता संग्राम अपने उद्देश्य में सफल नही हो सका।

(2) नेतृत्व का अभाव :- इस स्वतंत्रता संग्राम की असफलता का प्रमुख कारण ~~प्रभावशाली~~ नेतृत्व का अभाव भी था। इस आन्दोलन को किसी एक भी व्यक्ति ने योग्य नेतृत्व नही दिया। जिससे यह आन्दोलन विफल हो गया।

(3) बहादुर द्वितीय की अनभिज्ञता :- 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नेताओ ने बहादुर द्वितीय को अपना सम्राट बनाया परंतु बहादुर द्वितीय के लिये यह क्रान्ति उतनी ही कठिन थी जितनी की अंग्रेजो के लिये। यही कारण है कि जनरल लेफ्टीनेंट हडसन ने बन्दी बनाकर रंगून बर्मा भेज दिया।

(4) परम्परावादी हथियार :- 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के समय भारतीयो के पास परम्परा वादी हथियार थे। जबकि अंग्रेज

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

(10)

आधुनिक हथियारो का प्रयोग करते है जिसकी कारण यह क्रान्ति असफल होगी।
अतः यही कारण सन 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख कारण थे।

## प्र010 का उत्तर

भारत और चीन युद्ध के परिणाम :- भारत चीन युद्ध के निम्नलिखित निकटवर्ती व दूरगामी परिणाम सामने आये।

(1) भारत – चीन तनावपूर्ण सम्बंध स्थापित हुयी।

(2) भारतीय की अंतराष्ट्रीय छवि और गुटनिरपेक्ष नीति को धक्का लगा।

(3) भारत का भू-भाग का एक बड़ा भाग अंग्रेजो के कब्जे मे चला गया।

(4) भारत – अमेरिका सम्बंधो मे सुधार हुआ।

(5) चीन और पाकिस्तान के नवीन संबंध स्थापित हुये।

BSEMP

यही भारत - व चीन युद्ध के परिणाम थे।

प्र० 11 का उत्तर

राष्ट्रपति के संकटकालीन शक्तियाँ :- भारत संविधान द्वारा राष्ट्रपति को संकटकालीन शक्तियाँ प्रदान की गयी है।

(1) जब देश पर किसी बाह्य आक्रमण या देश मे होने वाले सशस्त्र विद्रोह से देश के ऊपर संकट हो। तब राष्ट्रपति मंत्रीमण्डल के सहयोग से आपातकाल या संकटकाल लागु कर सकता है - ऐसी किसी भी घोषणा पर संसद के दोनो सदनो की पुष्टि ह: माह के भीतर आवश्यक है तथा घोषणा अवधि के भीतर संबंधित क्षेत्र का शासन राष्ट्रपति के हाथ मे होता है तथा संसद के देश के किसी भी क्षेत्र या सम्पूर्ण भारत पर कानून बनाने का अधिकार होता है।

(2) राज्यपाल के प्रतिवेदन से या अन्य कारणो से राष्ट्रपति को पता चल जाये कि संबंधित राज्य का शासन कानून

या संविधान के अनुसार नही चल रहा है तो वह अपनी संकटकालीन शक्तियो का प्रयोग कर सकता है ऐसी किसी भी घोषणा पर 2 माह के भीतर संसद के दोनो सदनो की पुष्टि आवश्यक है तथा राष्ट्रपति संबंधित राज्य का शासन राज्यपाल को सौंप सकता है।

(3) जब राष्ट्रपति को पता लग जाये कि देश मे भयंकर आर्थिक संकट फैला हुआ है तो वह अपनी संकटकालीन शक्तियो के प्रयोग मंत्रिमण्डल की सलाह से कर सकता है।

प्र० 12 का उत्तर

स्व सहायता समूह :- स्वसहायता समूह गरीब व्यक्तियो का एक स्वैच्छिक संगठन है इसमे सदस्य मिलकर अपनी समस्याओ को निपटाते है तथा ये सदस्य व्यक्तियो को छोटी-छोटी बचतो के लिए प्रोत्साहित करते है यह राशि बैंक मे जमा की जाति है बैंक के जिस खाते मे यह राशि जमा की जाती है वह समूह के नाम से जाना जाता है।

B S E M P

पृष्ठ के अंको का योग

स्वसहायता समूह के सदस्यो की अधिकतम संख्या 20 है। यह उन लोगो को बैंको से जोड़ते है जिनको अभी तक अनदेखा किया गया है। स्वसहायता समूह पुरुषो का हो सकता है महिलाओ का हो सकता है तथा महिला तथा पुरुष दोनो का हो सकता है।

अभी महिला स्वसहायता समूह ज्यादा विकसित है।

स्वसहायता समूह के गठन के उद्देश्य :-

(1) सामूहिक रूप से संगठित होकर कार्य करने की भावना विकसित करना है।

(2) सदस्य को बेहतर भविष्य के लिये बचत करने की आदत विकसित करना

(3) सदस्य को स्वरोजगार के अवसरो के लिए छोटे - छोटे ऋण उपलब्ध कराना।

(4) सदस्य मे स्वावलंबन की भावना विकसित करना।

(5) स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण तथा विकास संबंधी क्रियाकलापो को बढ़ावा देना।

B S E M P

पृष्ठ के ... का योग

अंक क

## प्र0 13 का उत्तर

मौसम संकेत

(1) सूर्य का प्रकाश 

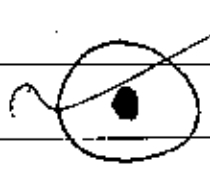

(2) सबल समीर 

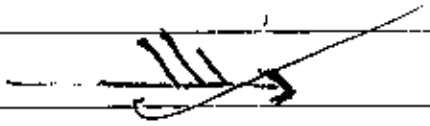

(3) झंझा 

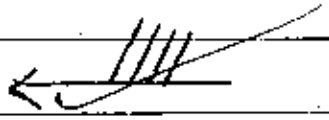

(4) वर्षा 

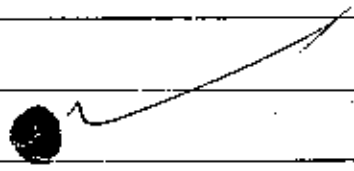

(5) हिम 

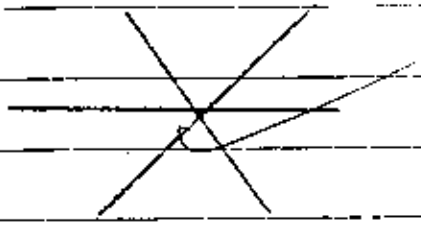

BSEMI

प्र० 14 का उत्तर

सन 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख कारण :- भारत स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख कारण निम्नलिखित है।

(1) राजनैतिक कारण :- सन 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का यह प्रमुख कारण था लार्ड डलहौजी की हड़प नीति व लार्ड वेलेजली की सहायक संधि से भारतीय राजाओ मे असंतोष व्याप्त हो गया जिससे 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरणा मिली। इन दोनो की नीतियो से अधिकांश भारतीय राज्य अंग्रेजो शासन के अधीन हो गये।

(2) भारतीय भाषा, संस्कृति पर पाश्चात्य प्रभाव :- लार्ड मैकाले की शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा पद्धति पर आक्रमण थी। वह पूर्वाग्रहो से प्रेरित था। तथा वह अंग्रेजो को सबसे उच्च नस्ल व अंग्रेजी भाषा को सर्वोत्तम मानता था। वह अंग्रेजी शिक्षा का प्रचार कर एक ऐसा वर्ग तैयार करना चाहता था। जो ब्रिटिश साम्राज्य के हितो के कार्य करे। इससे सन 1857 का प्रथम कारण बना।

BSEMP

पृष्ठ के अंको का योग

मध्यप्रदेश

(3) भारतीय राजाओ व नवाबो का असंतोष :- सन 1857 का प्रथम स्वतंत्रता आन्दोलन का प्रमुख कारण भारतीय राजाओ व नवाबो का असंतोष था। हड़प नीति व सहायक संधि व्यवस्था के कारण अनेक भारतीय राज्यो को अंग्रेजी साम्राज्य मे विलय कर दिया गया। जिससे भारतीय नवाबो व राजाओ मे असंतोष पैदा हो गया।

(4) सामाजिक व धार्मिक कारण :- अंग्रेजी ने भारतीय समाज मे अनेक परिवर्तन करने चाहे। जिससे भारतीय समाज मे अंग्रेजो के विरुद्ध हो गये। क्योंकि अंग्रेजो ने पाश्चात्य संस्कृति के माध्यम से भारतीय धर्मो को नष्ट करना चाहते थे।

(5) तात्कालिक कारण :- सन 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का तात्कालिक कारण चर्बी लगे कारतूसो का प्रयोग था। जिसको मंगल पाण्डे नामक स्वतंत्रता अधिकारी ने इसे भरने से मना कर दिया जिससे 8 अप्रैल 1857 को उसे फाँसी दे दी गयी।

यही 1857 के प्रमुख कारण है।

BSEMP

योग पूर्व पृ०

प्र० 15 का उत्तर

आजाद हिन्द फौज :- जापान द्वारा इग्लैण्ड युद्ध मे इग्लैण्ड के अनेक स्वतंत्रताधिकारियो को बन्दी बनाया गया। इसमे से एक थे कैप्टन मोहन सिंह। जिन्होंने भारतीयो को अपनी देश के मुक्ति के लिए एक आजाद हिन्द फौज की स्थापना 1942 मे की। इस के प्रमुख नेता रासबिहारी बोस थे। जब सुभाष चन्द्र बोस जापान पहुँचे तो 1943 मे रास बिहारी बोस ने इस फौज को सुभाष चन्द्र बोस का सौंप दिया। तथा इस अवसर पर सुभाष चन्द्र बोस ने कहा कि मै ईश्वर के नाम की पवित्र शपथ लेता हूँ कि मैं उसके 38 करोड़ भारतीयो को स्वतंत्र कराऊँगा तथा इस युद्ध को मैं अपने जीवन की अंतिम साँस तक लडूँगा। तथा उन्होंने "दिल्ली चलो" का नारा भी दिया। तथा वे 1943 मे भारत-बर्मा सीमा को पार करते हुये भारत पहुँचे तथा वहाँ उन्होंने अंग्रेजो को पराजित किया। तथा 1944 के तथा उन्होंने नागालैण्ड व कोहिमा पर भी अधिकार कर लिया। तथा

**B S E M P**

1944 मे उन्होंने स्वतंत्र झण्डा फहराया तथा 1945 मे वायु उड़ान दुर्घटना मे उनकी मृत्यु हो गयी। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने उन्हे शेष बचे क्रान्तिकारियो को बन्दी बना लिया। तथा देश मे उनको छुड़ाने के लिये विद्रोह हुये। जिससे अंग्रेज सरकार को इन्हे छोड़ना पड़ा।

## प्र० 16 का उत्तर

समाजवादी :- भारतीय संविधान की एक प्रमुख विशेषता है समाजवादी तथा भारतीय व्यवस्था समाज के समतावादी ढाँचे पर आधारित होगी। तथा प्रत्येक भारतियो की न्यूनतम आवश्यकताओ की पूर्ति की जायेगी। तथा भारतीय अर्थव्यवस्था समाजवादी होगी।

पंथ निरपेक्षता भारत मे पंथ निरपेक्षता भारतीय संविधान की एक प्रमुख विशेषता है। इसमे राज्य को पंथ निरपेक्ष घोषित किया गया है। इसके आधार पर राज्य का अपना कोई धर्म नही है तथा

BSEMP

प्रत्येक भारतीयो को अपनी इच्छानुसा
कोई धर्म अपनाने की स्वतंत्रता है।
तथा राज्य धर्म के आधार पर भेदभाव
नही कर सकती है। तथा प्रत्येक भारतीय
को अपनी रूचि अनुसार अपने कोई
भी धर्म - विश्वास की स्वतंत्रता है।
तथा प्रत्येक भारतीयो को इनके इन
अधिकारो को छीने पर कार्यवाही करने
का अधिकार है। चाहे वह राज्य द्वारा
ही कि क्यो ने किया गया है।
तथा इन अधिकारो के साथ व्यक्तियो
को कुछ मौलिक व कर्तव्य भी प्रदान
किये है।

इस प्रकार भारतीय संविधान की
समाजवादी और पंथ निरपेक्षता प्रमुख
विशेषताएँ है। जिसमे व्यक्ति को
अपनी इच्छानुसार धर्म अपनाने की स्वतंत्रता
है।

प्र० 17 का उत्तर

आतंकवाद :- मानव जाति के विरूद्ध कुछ
व्यक्तियो तथा ग्रोहो की
हिंसा को आतंकवाद कहते है यह
लोकतंत्र के विरूद्ध अपराध है।

आंतकवादी विभिन्न माध्यमो से अपनी आतंकीय गतिविधियाँ अपना कर देश मे नागरिको मे भय और असुरक्षा की भावना विकसित कर देती है। ये आंतकवादी अनैतिक साधनो को भी न्याय संगत ठहराते है। तथा अपनी आंतकीय गतिविधियों से नागरिको को भयभीत करती है। कुछ विदेशी ताकते, राष्ट्रपंथी ताकते तथा अलगाववादी प्रवृत्तिया इन आंतकवाद को प्रोत्साहन दे रही है

आतंकवादियो द्वारा अतिविकसित राष्ट्र अमेरिका की वर्ल्ड ट्रेड सेंटर जैसी इमारत को ध्वस्त कर दिया गया। सारा संसार इससे स्तब्ध रह गया। इससे बहुत लोगो की मौत हुयी। असुरक्षा की भावना बढ़ी तथा बहुत धन की हानि हुयी। ये आतंकवादी बम विस्फोट जैसे रास्ते अपना कर राज्य और धर्म को बाँटने का कार्य करते है। यह आतंकवाद तीन प्रकार का होता है

(1) जातीय आतंकवाद

(2) सम्प्रदायिक आंतकवाद

(3) नक्सली आंतकवाद

BSEMP

आतंकवाद को दूर करने के उपाय

(1) आतंकवाद को दूर करने के लिये सभी राष्ट्रो को इसके समाधान के उपाय खोजना चाहिए।

(2) संयुक्त राष्ट्र संघ को आतंकवाद से निपटने के कड़ा रुख अपनाना चाहिए।

(3) भारत को कश्मीरी आतंकवाद से निपटने के लिए पूरी तरह से कानून कार्यवाही करने चाहिए। तथा इसके रोकने को हरसम्भव प्रयास करना चाहिए।

(4) आतंकवाद से निपटने के लिए हर देश का अपना - अपना सहयोग देना चाहिए। तथा इसे प्रोत्साहन करने वाले राष्ट्रो के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाना चाहिए।

इस प्रकार आतंकवाद से सभी देशो पर अघोषित युद्ध जैसी स्थिति बन जाती है।

प्र0 18 का उत्तर

उपभोक्ता जागरूकता की आवश्यकता :-
बाजार मे उपभोक्ता क्यो ठगा जाता है क्यों वह शोषण का शिकार हो जाता है। यह एक चिन्तनीय प्रश्न है इसलिए उपभोक्ताओ को जागरूक किया जाना चाहिए।

(1) अधिकतम संतोष प्राप्त करना :- प्रत्येक व्यक्ति की आय सीमित होती है। वह अपनी आय से अधिक वस्तुए खरीदना चाहता है। तभी उसे संतोष प्राप्त होगी। इसलिए उपभोक्ताओ को जागरूक किया जाना चाहिए।

(2) हानिकारक वस्तुओ के उपभोग पर रोक : बाजार मे अनेक ऐसी वस्तुओ होती है। जो मनुष्य को हानि पहुँचाती है। अतः ऐसे वस्तुओ का न खरीदने की प्रेरणा उपभोक्ता जागरूकता देती है।

(3) बचत प्रेरणा :- उपभोक्ता जागरूकता से प्रभावित होकर व्यक्ति आकर्षक गिफ्ट, पैकिंग आदि मे नही फंसता तथा वह अपनी आय का बचत

BSEMP

करने मे सफल हो जाता है।

(4) स्वस्थ समाज का निर्माण !- यदि समाज का एक व्यक्ति जागरुक होता है। तब सम्पूर्ण समाज भी अपने अधिकारो के प्रति जागरुक होती है। इस प्रकार एक स्वस्थ समाज का निर्माण होता है।

(5) उपभोक्ताओ के शोषण से बचाव !- उपभोक्ता जागरुकता उपभोक्ताओ के शोषण से बचने का तरीका बताती है।

इसी कारण उपभोक्ता जागरुकता की आवश्यकता है।

प्र० 19 का उत्तर

वैश्वीकरण !- वैश्वीकरण का अभिप्राय विश्व के अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत करने से लगाया जाता है। इसमे एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्रो के साथ वस्तु, सेवा, पूंजी तथा बौद्धिक सम्पदा का अप्रतिबंधित आदान प्रदान किया जाता है। तथा इस वैश्वीकरण मे सर्वाधिक लाभ शिक्षित, कुशल एवं सम्पन्न लोगो को मिला है।

वैश्वीकरण को प्रवाहित करने वाले कारक

(1) तकनीकी ज्ञान का विस्तार :- तकनीकी ज्ञान मे 50% से अधिक की वृद्धि हुयी है। तथा यातायात के साधनो से हम एक स्थान से दूसरे स्थान पर बहुत जल्द ही पहुंच जाते है। जिससे वैश्वीकरण को प्रोत्साहन मिला है तथा संचार के साधनो ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

(2) उदारीकरण की प्रक्रिया :- उदारीकरण के फलस्वरूप वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहन मिला है। इससे विभिन्न राष्ट्रो मे विदेशी प्रतियोगिता से बचने के लिये कठोर प्रबन्ध किये है यही उदारीकरण है। तथा भारत ने भी 1950 से 1960 तक इस नीति का पालन किया।

(3) बाजारो का विस्तार :- बाजारो के विस्तार से वैश्वीकरण को पर्याप्त प्रोत्साहन मिला है। आज विश्व मे बाजार मे स्थित वस्तुओ एवं सेवाओ मे बहुत अधिक वृद्धि हुयी है। जिससे वैश्वीकरण को प्रोत्साहन मिला है।

BSEMP

2009 माध्य... श, भोपाल

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

परीक्षक के लिये

...से मिलाकर लगायें

1. केन्द्र की सील
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 7/3/09
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक 221005
6. परीक्षा का नाम हाई स्कूल परीक्षा
7. विषय सा. विज्ञान 8. माध्यम हिन्दी
8. दिनांक 07/03/2009

पृष्ठ

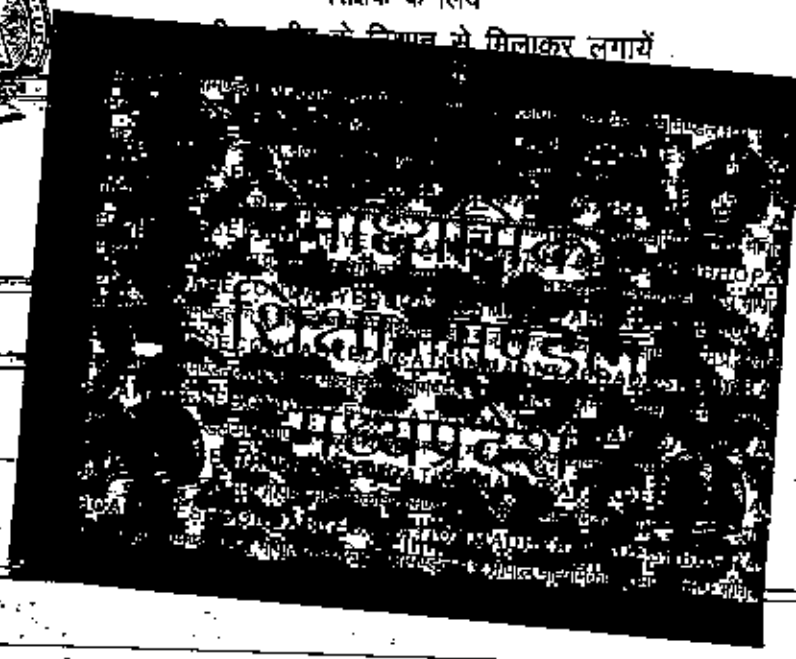

BSEMP

(4) बहुराष्ट्रीय कम्पनियो का विस्तार :- बहुराष्ट्रीय कम्पनियो से वैश्वीकरण को पर्याप्त प्रोत्साहन मिला है। इससे अनेक देशो मे बहुराष्ट्रीय कम्पनियो का विस्तार हुआ है।

(5) प्रतियोगिता :- प्रतियोगिता से भारत मे सबसे अधिक वैश्वीकरण को प्रोत्साहन मिला है। इसमे विदेशी कम्पनियो की प्रतियोगिता के कारण सभी स्थानीय देश भी अच्छे प्रकार की वस्तुओ का निर्माण करता है।

इस प्रकार वैश्वीकरण को प्रोत्साहित करने वाले निम्न कारण है।

## प्र० 21 का उत्तर

1965 के भारत - पाक के युद्ध घटनाओं :

सन 1965 मे भारत मे पाकिस्तान एवं भारत के बीच युद्ध हुआ। जिसके परिणाम स्वरूप 25 अगस्त सन 1965 को पाकिस्तान ने भारत के छम्ब - जुरिया से आक्रमण किया तथा वायुसेना से पाकिस्तान मे अमृतसर पर आक्रमण किया। भारत ने पाकिस्तान को दबाव को कम करने के लिये पाकिस्तान की सेनाओ पर आक्रमण कर दिया। भारत की सेना लाहौर की ओर बढी। भारत युद्ध समाप्त होने तक पाकिस्तान की 750 वर्ग मील तथा पाकिस्तान केवल भारत के 250 वर्ग मील पर ही आक्रमण कर सका।

ताशकन्द समझौता :- जब युद्ध विराम के बाद भारत - पाकिस्तान की युद्ध झड़पे बन्द नही हुयी। तब सोवियत संघ ने विशेष रुचि ली। तथा दोनो देशो के लिए ताशकन्द आमंत्रित किया। 4 जनवरी 1965 को पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयुब खाँ तथा भारत के प्रधानमंत्री लालबहादुर ने 10 जनवरी 1966 को ताशकन्द आ इसमे हस्ताक्षर किये। इसकी शर्ते निम्नलिखित है।

BSEMP

(3) + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृ०   नंक   कुल अंक

(1) दोनो देश एक - दूसरे के पड़ोसी जैसे सम्बंध बनाये।

(2) दोनो देश 5 अगस्त 1965 की तरह अपनी सेनाए वापस बुला लें।

(3) एक - दूसरे के आंतरिक मामलो मे हस्तक्षेप नही करेंगे।

1965 के युद्ध के परिणाम:- 1965 मे पाकिस्तान की पराजय हुयी।

(1) पाकिस्तान के लिये यह युद्ध घातक सिद्ध हुआ क्योंकि इसने उसके सैनिक तानाशाही को खोखलेपन को सिद्ध कर दिया।

(2) पाकिस्तान कश्मीर समस्या का समाधान युद्ध द्वारा करना चाहता था। उसने युद्ध का मार्ग अपनाया परंतु उसकी इच्छा पूरी नही हुयी।

(3) पाकिस्तान सोचता था कि कश्मीर की जनता उसका साथ देगी। परन्तु ऐसा नही हुआ।

(4) पाकिस्तान सोचता था कि युद्ध मे चीन उसका साथ देगा।

यही 1966 को अयूब खाँ ...

B S E M P

4 + = 

पृष्ठ 4 ... कुल अंक

BSEMP

प्र० 20 का उत्तर

जल संरक्षण :- जल का हमारे जीवन मे बहुत महत्व है। जल से हमारे बहुत से आवश्यकताओ की पूर्ति होती है लेकिन जब इस जल को प्रदूषित किया जायेगा तो हमारे जीवन का अस्तित्व समाप्त ही हो जायेगा। तथा जीव-जन्तुओ और प्राकृतिक वनस्पति का बहुत नुकसान होता है। इससे उनका अस्तित्व ही खतरे मे चला जाता है। इसलिए हमे जल को प्रदूषित करने से पहले जल का संरक्षण करना चाहिए। नही तो हमारा जीवन ही नष्ट हो जायेगा। जल का हमारे जीवन मे विकास के प्रत्येक आयामो मे बहुत महत्व है

जल का उपयोग :- जल की प्रमुख उपयोग निम्नलिखित है।

(1) जल से हमे पीने के लिए पानी मिलता है। तथा जल का उपयोग जीवन जीने वाले भोजन को उगाने के लिये भी किया जाता है।

2009

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

ल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये
स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

[redacted]

1. केन्द्र का साल
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 3/3/09
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक
6. परीक्षा का नाम
7. विषय सा. विज्ञान 8. माध्यम हिन्दी
8. दिनांक 07/03/09

पृष्ठ

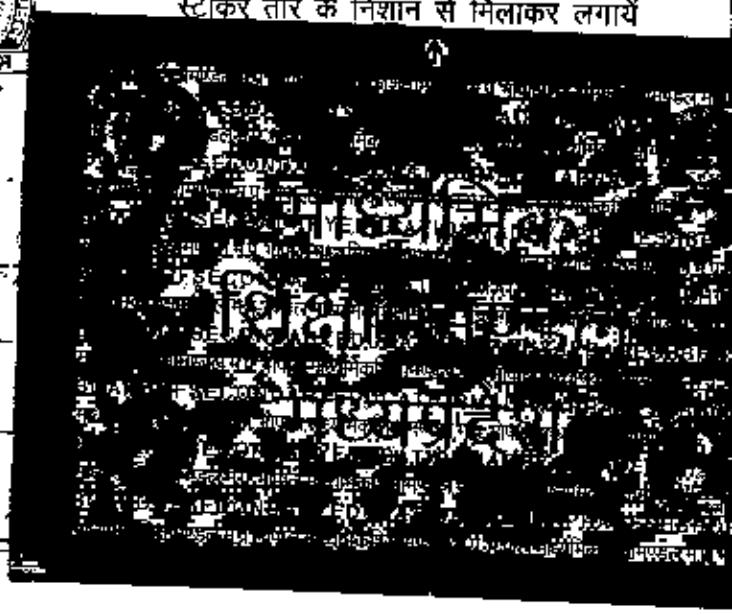

B S E M P

(2) जल से भूमि का कटाव रुकता है। जिससे भूमि की उर्वराशक्ति मे कमी नही होती है।

(3) जल से औद्योगिक क्रियाओ के संचालन मे बहुत अधिक महत्वपूर्ण भूमिका रहती है

(4) जल का उपयोग। मत्सोपालन तथा सामुद्री परिवहन मे किया जाता है।

(5) जल का उपयोग बाँध बनाकर विद्युत के उत्पादन मे भी किया जाता है।

(6) जल सम्पूर्ण प्राणियो का जीवन आधार है ...
जल ... प्रदूषित ...

इस प्रकार हमे जल को प्रदूषित नहीं करना चाहिए। तथा जल को बचाने के लिए हमें सघन वृक्षारोपण करना चाहिए इस प्रकार जल जीवन का आधार है।

इसी प्रकार हम वृक्षारोपण द्वारा जल ~~समाप्त~~ को संरक्षण कर सकते है तथा सरकारी स्तर पर भी जल का संरक्षण के लिये प्रयास किया जाना चाहिए।

समाप्त

B S E M P

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

4

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग